माननीय श्री कपिल सिब्बल जी का राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला में आगमन

माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा समुद्री विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिल सिब्बल दि. 7 सितम्बर, 2004 को राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे में आए थे । एनसीएल में अपने आगमन के दौरान श्री सिब्बल ने एनसीएल के अनेक वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श किया तथा कुछ अनुसंधान कार्यक्रमों और एनसीएल में उपलब्ध सुविधाओं जैसे हाइड्रोजन रिफॉर्मर एवं फ्यूल सेल, सम्मिश्र तरल पदार्थ एवं बहुलक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला, कोम्बी केम-बायो रिसोर्स सेंटर, पादप आणविक जीवविज्ञान और पादप ऊतक संवर्धन प्रयोगशालाओं आदि की जानकारी प्राप्त की । मंत्री महोदय पुणे शहर की दो दिन की यात्रा पर आए थे और इस दौरान उन्होंने शहर के शोध-संस्थानों में जाकर वहां चल रहे शोध कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की । वे भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केन्द्र, सी-डैक, आघारकर अनुसंधान संस्थान और पुणे विश्वविद्यालय के जैवसूचनाविज्ञान केन्द्र को भी देखने गए ।

डॉ. एस. शिवराम, निदेशक, एन.सी.एल. ने उन्हें एनसीएल में चल रहे विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों की जानकारी दी । मंत्री महोदय ने एनसीएल में चल रही अनेक शोध परियोजनाओं जैसे डीजल मे गंधक की मात्रा कम करना, कृषीय अपशिष्टों से जैवविघटनीय बहुलकों और ऐल्केन के ऑक्सीकरण द्वारा अपमार्जक अल्कोहल पर गहरी रुचि प्रदर्शित की ।

एनसीएल के स्टाफ को संबोधित करते हुए माननीय श्री कपिल सिब्बल जी ने इस बात पर जोर दिया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नौकरशाही को समाप्त करने की आवश्यकता है और विज्ञान के पठन-पाठन और प्रचार-प्रसार हेतु एक अच्छी संस्कृति विकसित की जानी चाहिए । उन्होंने एनसीएल के अनुसंधान एवं विकास कार्यों की सराहना की क्योंकि इनका उद्देश्य अपने साझेदारों को उत्पाद उपलब्ध कराना है ।

मंत्री महोदय ने आगे कहा कि भारत विश्व में सर्वाधिक युवा राष्ट्र है क्योंकि यहाँ पचास करोड़ लोग बीस बर्ष की आयु से कम के हैं । अगले बीस वर्षों में चालीस करोड़ और युवक इसमें शामिल हो जाएँगे जो हमारी अर्थ-व्यवस्था के उत्पादक कार्यबल के रूप में होंगे । अब आवश्यकता इस बात की है कि हम उन्हें अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराएँ और उन्हें आवश्यक संसाधन/उपकरण प्रदान करें । बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारतीय मस्तिष्क की शक्ति को पहचान लिया है और वे औषधियों और ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में काम करने के लिए भारत आ रही हैं ।

श्री सिब्बल ने बताया कि उनकी सरकार का ध्यान साधारण आदमी की आवश्यकताओं को पूरा करने पर केन्द्रित है । उन्होंने वैज्ञानिकों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वे ऐसा शोध कार्य करें, जिससे पर्यावरण में सुधार आए, ईंधन अधिक साफ हो, जीवाष्म ईंधनों का कम प्रयोग हो, स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकी विकसित हो, जैवविघटनीय पदार्थ और भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके । उन्होंने कहा "हमें हरित क्रांति को जीन क्रांति में बदलना है । बढ़ती हुई जनसंख्या को भोजन उपलब्ध कराने के लिए हम कृषि-भूमि को तो नहीं बढ़ा सकते, परन्तु उत्पादकता बढ़ाने के लिए हम कार्य कर सकते हैं । इस बात की भी जरूरत है कि हमें बिजली सस्ते दर पर मिले "।

उन्होंने स्टाफ से आग्रह किया कि वे इस बात पर विचार करें कि आज से बीस वर्षों बाद विश्व कहाँ होगा और उसका क्या रूप होगा । उन्होंने वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे भावी भारत के निर्माण में अपनी न्यायसंगत भूमिका अदा करें ।

माननीय मंत्री महोदय ने 7 सितम्बर, 2004 को अपराह्न प्रेस के प्रतिनिधियों को भी सम्बोधित किया ।

इसके पूर्व मंत्री महोदय के आगमन पर डॉ. शिवराम ने उन्हें फोटो-प्रदर्शनी दिखाई । यह फोटो-प्रदर्शनी एनसीएल की स्थापना से अब तक के इतिहास को प्रदर्शित करती है । इसमें उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों का भी समावेश है जिन्होंने भूतकाल में एनसीएल के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है । मंत्री महोदय ने एनसीएल के प्राचीन गौरव को समझने में गहन रुचि प्रदर्शित की ।